1	2	3	4	5	6
4.	बिहार	862.0	1504.0	1203.0	8719.9
5.	गोआ	संघ राज्य क्षेत्र में शामिल	15.3	14.9	37.4
6.	गुजरात	382.0	307.0	320.3	3303.4
7.	हरियाणा	326.0	284.0	199.0	3629.8
8.	हिमाचल प्रदेश	11.0	20.5	11.6	155.6
9.	जम्मू एवं कश्मीर	12.0	55.0	24.3	545.5
10.	कर्नाटक	306.0	312.0	350.4	3121.5
11.	केरल	68.0	157.0	116.4	1117.0
12.	मध्य प्रदेश	509.0	823.0	612.4	4888.5
13.	महाराष्ट्र	466.0	823.0	661.1	4735.7
14.	मणिपुर	2.0	46.7	26.9	123.6
15.	मेघालय	8.0	11.3	5.4	50.1
16.	मिजोरम	संघ राज्य क्षेत्र में शामिल	6.4	3.1	12.2
17.	नागालैंड	2.0	9.0	11.7	66.6
18.	उड़ीसा	307.0	522.0	216.2	2820.8
19.	पंजाब	314.0	414.0	170.7	5837.2
20.	राजस्थान	219.0	435.0	477.1	4661.7
21.	सिक्किम	7.0	5.0	6.4	24.1
22.	तमिलनाडु	110.0	128.0	148.4	3687.5
23.	त्रिपुरा	6.0	19.6	24.5	98.0
24.	उत्तर प्रदेश	3008.0	3895.0	4955.0	28609.0
25.	पश्चिमी बंगाल राज्य/संघ राज्य	395.0	325.0	981.6	4463.9
	क्षेत्रों का कुल जोड़	7779.0	10921.2	11310.3	87819.4

संघ राज्य क्षेत्र में शामिल

सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए केन्द्रीय अभिकर का गठन

5773. **श्री अजीत जोगी:** क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पहले से स्वीकृत सभी अंतर्राज्यीय सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए वित्तपोषित करने वाले केंद्रीय अभिकरण गठन के कार्य को अंतिम रूप प्रदान कर दिया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इस अभिकरण को कब तक गठित कर दिए जाने की संभावना है?

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगैय्या नायडू): (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) अन्तर्राज्यीय सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए वित्त पोषण करने हेतु केन्द्रीय अभिकरण गठित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

सिंचाई परियोजनाएं

5774. **श्री आस मोहम्मद:**
चौधरी हरमोहन सिंह:

क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय महत्व वाली सिंचाई परियोजनाओं के नाम क्या-क्या हैं;

(ख) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय महत्व की इन सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए धन की कमी है;

(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा पिछले दो वर्षों के दौरान धन की कमी को पूरा करने के लिए क्या-क्या प्रयास किए गए हैं; और

(घ) 31 मार्च, 1995 तक इन प्रयासों में किस सीमा तक सफलता मिली है?

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगैय्या नायडू): (क) देश में किसी भी सिंचाई परियोजना को राष्ट्रीय महत्व की सिंचाई परियोजना वर्गीकृत नहीं किया गया है।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठते।

Utilisation of Irrigation Water

5775. SHRI CHIMANBHAI MEHTA: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that irrigation water are not fully utilised to capacity;

(b) if so, the irrigation facilities available in each State and proportion of utilisation of irrigation water; and

(c) what are the reasons for failure to utilise available water through canal system?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WATER RESOURCES (SHRI P.V. RANGAYYA NAIDU): (a) Yes, Sir.

(b) A statement showing State-wise anticipated irrigation potential created through 'Major & Medium' projects and Minor irrigation schemes and percentage of irrigation potential utilised to its creation at the end of 1994-95 is enclosed *(see below)*

(c) A lag of a few years between the introduction of irrigation and its full utilisation is unavoidable as it takes time for the farmers to construct the field channels and to prepare the land for irrigated farming. Also the switch over from rainfed agriculture to irrigated agriculture involves a major change in agricultural techniques which farmers take time to master.

Statement

Statement showing statewise anticipated Irrigation Potential Created through Major & Medium projects and Minor irrigation schemes and percentage of Irrigation Potential Utilised to its creation at the end of 1994-95.

S. No.	State/UTs	Irrigation Potential created	Percentage of Irrigation potential utilised to its creation
1	2	3	4
			(In 000 Hectares)
1.	Andhra Pradesh	6123.59	92.63
2.	Arunachal Pradesh	75.09	87.95
3.	Assam	811.76	76.72
4.	Bihar	8718.90	84.91
5.	Goa	37.36	82.60
6.	Gujarat	3303.45	91.04
7.	Haryana	3629.77	91.98
8.	Himachal Pradesh	155.62	83.67
9.	Jammu & Kashmir	545.52	93.25
10.	Karnataka	3121.50	88.60
11.	Kerala	1117.03	91.07